Dr. Keerti Kumar
Asst Prof
Dept of Psychology
D.R.A.P. College, Babachakia, East Champaran, Motihari
(A Constituent Unit of B.R.A. Bihar University, Muzaffarpur, Bihar)

Subject - [illegible]
Topic - Role of Motivation in Learning
Class - B.A. Part One (Hons)
Date - 28/01-2022
Day - Friday
Period - 3rd
Contact No - 9801466117 / 8540743704

Q. Role of Motivation in Learning?

Ans:- 1. Reward & Punishment:- शिक्षण प्रक्रिया में Reward & Punishment दोनों का समान स्थान है। व्यक्ति उस क्रिया को दुहराता है जिससे उसे संतोष और पुरस्कार मिलता है और उस क्रिया को त्यागता है जिससे उसे असंतोष और दंड मिलता है। Thorndike के Law of Effect से यह तथ्य मिलता है कि Reward से किसी बात को सीखने की प्रेरणा मिलती है और Punishment से किसी चीज को त्यागने की प्रेरणा मिलती है। Reward (पुरस्कार) से व्यक्ति में सीखने के प्रति जिज्ञासा और अभिरुचि पैदा होती है साथ ही पुरस्कार Ego को उत्तेजित करता है और Moral को बढ़ाता है। दंड का प्रभाव परोक्ष रूप से पड़ता है इसमें अवांछनीय या अवांछित व्यवहार स्थापित होते हैं। P.T. Young ने चूहों पर एवं Riskley ने बच्चों पर प्रयोग कर प्रमाणित किया है कि Reward का सीखने पर Positive प्रभाव होता है। प्रयोगों में यह भी देखा गया है कि Punishment की तुलना में Reward अधिक प्रभावकारी होता है। Knight ने दंड का व्यवहार कर बच्चों के Thumb-Sucking की आदत को निराकरण किया था।

2. Praise & Reproof:- शिक्षण प्रक्रिया में प्रशंसा और निंदा को भी स्थान है। मौखिक पुरस्कार है Praise और मौखिक दंड को Reproof कहते हैं।

(2)

Hurlock ने प्रशंसा, फटकार पर प्रयोग किया है। छात्रों के चार समूह थे :-
1. Praised Group;
(ii) Reproof Group
(iii) Ignored Group
(iv) Controlled Group.

प्रयोग में देखा गया कि प्रशंसा व निंदा दोनों से सीखने की प्रेरणा मिलती है। इन चार समूहों का Performance निम्नलिखित प्रकार देखा गया।

Group	Average Score
1. Praised Group	20.22
2. Reproof Group -	14.19
3. Ignored Group -	12.33
4. Controlled Group -	11.35

चारों समूहों के छात्रों के Score से यही निष्कर्ष निकलता है कि प्रशंसित समूह से निंदित समूह के लड़कों का प्रशिक्षण उपेक्षित तथा नियंत्रित समूह की तुलना में अच्छा था। इस अध्ययन से स्पष्ट होता है कि मनुष्य, छात्रों साथ ही अन्य प्राणी या जानवरों के प्रशिक्षण में Praise & Reproof का भी महत्व है। यह दैनिक जीवन का अनुभव है। बच्चा जब दूसरों को प्रशंसित या निंदित होता देखता या सुनता है तब वह सीखने की ओर प्रेरित होता है।

3. Rivalry & competition:- Rivalry एवं प्रलोभन है जिनसे व्यक्ति को सीखने की प्रेरणा मिलती है। स्पर्धा का अर्थ स्वस्थ प्रतियोगिता से है। Ruba ने अपने अध्ययन में शैक्षिक उपलब्धियों में 47% की प्रगति प्रतियोगिता के कारण बताया गया। Sims ने तीन समूह के छात्रों पर अध्ययन कर देखा है कि बिना स्पर्धा के सीखने से स्पर्धा से काम सीखना अधिक उत्तम होता है। साथ ही यह भी बताया कि Individual Rivalry, Group Rivalry से अधिक प्रभाव शाली होता है। Young ने लिखा है:-

"Rivalry is an effective incentive to use with children of the Elementary School Grades"

अर्थात प्रारम्भिक स्तर के शिक्षण के लिए एक अच्छा प्रलोभन है।

4. Knowledge of Results : परिणाम का ज्ञान भी एक महत्वपूर्ण प्रलोभन है। जब किसी - विद्यार्थी को सीखने सम्बन्धी जानकारी होती रहती है कि उनकी प्रगति संतोषप्रद है तो प्रोत्साहन मिलता है और अधिक प्रगति होती है। Soreson ने अध्ययन करके देखा है कि Knowledge of Result अच्छे प्रेरण के लिए प्रबल प्रलोभन है। Book ने कहा है कि परिणाम के ज्ञान से सीखना प्रभावकारी होता है। Thorndike ने लिखा है :- "Knowing how is progressing could be an incentive in both success & failures." अर्थात छोड़ देने प्रगति का रहा है। इसका ज्ञान सदा सफलता सफलता या असफलता दोनों स्थितियों में प्रलोभन हो सकता है। Thorndike ने भी Line drawing Experiment में Knowledge of Result का प्रभाव देखा है और कहा है कि Knowledge of Result से Performance अच्छा होता है।

5. Interest & Security → शिक्षण प्रक्रिया में रुचि एवं सुरक्षा की भी उपयोगिता है। जिस विषय में हमारी अधिक रुचि होती है उसे हम जल्द सीख जाते हैं अपेक्षा उन बालकों जो आरम्भिक एवं असुरक्षित होते हैं। उनके अलावा social goal, level of aspiration और Ego development का भी प्रभाव शिक्षण पर पड़ता है।

इस प्रकार प्रेरणा शिक्षण का आधार है। इससे अध्ययन के प्रति रुचि का विकास होता है और लक्ष्य प्राप्ति में सहयोग मिलता है। अतः Motivation is highly way to learning है।

Answered.